my city
अमर उजाला
सूर्योदय सुबह 6:41
सूर्यास्त शाम 5:34
स्थानीय समयानुसार
31° temperature 18°
अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें-
amarujala.com/weather
रोहतक | बुधवार 06.11.2024
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, पंचमी, विक्रम संवत 2081
amarujala.com/jind
जींद

हरियाणा उत्सव में बिखेरी संस्कृति की छटा

हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में शुरू हुआ हरियाणा उत्सव

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस को लेकर मंगलवार को हरियाणा उत्सव शुरू हुआ। इसमें मुख्यातिथि के रूप में कुलपति डॉ. रणपाल सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित करके किया गया।

कुलपति ने कहा कि यह ऐसी संस्कृति है, जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल-मिल जाता है। कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि हरियाणा वह प्रदेश है जहां किसी भी सरकारी परियोजना को त्वरित गति से लागू किया जाता है।

संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती, इसलिए हमें हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। यह प्रत्येक प्रदेशवासी का दायित्व है कि हम आपस में मिलकर सामूहिक रूप से संस्कृति का संरक्षण करें, ताकि आने वाले समय में हरियाणा और हरियाणवी संस्कृति आसमानी से ऊंचाइयों को छुए।

प्रो. एसके सिन्हा ने कहा कि हरियाणा के लोग की जितनी जिंदादिल है, उतनी ही यहां की मिट्टी की महक प्रदेशवासियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। यहां का खान-पान प्रत्येक क्षेत्र के व्यक्ति के मन को भाता है।

बोली-बाणी में जैसा हास्य रस है, वैसा कहीं और कम ही देखने के लिए मिलता है। इस दौरान युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय के निदेशक डॉ. विजय कुमार, निदेशक डॉ. ममता ढांडा, डॉ. कविता, डॉ. कृष्ण देशवाल, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. सुमन पूनिया, डॉ. अंशुल व अन्य मौजूद रहे।

नृत्य की प्रस्तुति देती युवती। संवाद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित हरियाणा उत्सव में सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति देते कलाकार। संवाद

20 विश्वविद्यालयों की टीमों ने दिखाई प्रतिभा

स्टेज-2 पर कविता व हरियाणवी समूह गान की बेहतरीन प्रस्तुति देखने के लिए मिली। इसमें 20 से अधिक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। स्टेज-3 पर सॉन्ग का आयोजन किया गया, जिसमें अलग-अलग विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने हरियाणवी संस्कृति से संबंधित शिक्षाप्रद सांगों की प्रस्तुति दी। स्टेज-4 पर ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कई महाविद्यालय की टीमों ने रंगों से अपनी कलाओं के हुनर दिखाए। इसके अतिरिक्त दूसरी विधा में हरियाणवी जनजीवन पर आधारित पेंटिंग में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बुधवार को हरियाणवी लोक आर्केस्ट्रा, हरियाणवी सोलो डांस (युवक), हरियाणवी स्किट, ग्रुप डांस हरियाणवी, प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन, हरियाणवी सोलो डांस (लड़की), लोकगीत, टिट-बिट कंपटीशन, मोनो एक्टिंग, फोक कॉस्ट्यूम (युवक), सांग में युवक-युवतियां अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

सीआरएसयू में हरियाणवी नृत्य करते की प्रस्तुति देते युवक और युवती। संवाद

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 06.11.2024

हरियाणा उत्सव कार्यक्रम • सीआरएसयू में लोक कलाओं का दिखा महोत्सव

जींद. सीआरएस विश्वविद्यालय में हरियाणा उत्यव कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते हुए।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 06.11.2024

हरियाणा की संस्कृति ऐसी जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल मिल जाता है : वीसी

भास्कर न्यूज़ | जींद

सीआरएसयू में दो दिवसीय हरियाणा उत्सव कार्यक्रम का मंगलवार को आगाज हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि हरियाणा की ऐसी संस्कृति है जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल मिल जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास को जब हम टटोलते हैं तो हरियाणवी संस्कृति का गौरवपूर्ण इतिहास हमें किसी न किसी रूप में बहुत पीछे से देखने को मिलता है। हरियाणा प्रदेश ने अपनी विशेष पहचान कलाओं, ललित कलाओं, धरोहर, खेलों, शिक्षा व कृषि में विश्व भर में विशेष पहचान बनाई है। यहां का खान-पान प्रत्येक क्षेत्र के व्यक्ति के मन को भाता है। यहां की बोली-बानी में जैसा हास्य रस है, वैसा कहीं और बहुत ही कम देखने को मिलता है। हरियाणा उत्सव का शुभारंभ हरियाणा राज्य के सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को सम्मानित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। यह उत्सव आम तौर पर हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य की कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है। इसके माध्यम से राज्य की विविधता, समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दुनिया भर में प्रचारित किया जाता है। रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि उत्सव का उद्देश्य हरियाणा की संस्कृति और लोक कलाओं को बढ़ावा देना है। संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती। इसलिए हमें हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए और यह प्रत्येक हरियाणा वासी का दायित्व है कि हमें आपस में मिलकर सामूहिक रूप से संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए ताकि आने वाले समय में हरियाणा और हरियाणवी संस्कृति आसमानी ऊंचाइयों को छुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हो या अन्य किसी भी क्षेत्र से संबंधित कोई योजना हो उसके क्रियान्वयन हरियाणा प्रदेश हमेशा अग्रणी रहा है।

जींद. हरियाणवी रितौल्स विधा में अपनी प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी।

जींद. पाप सॉन्ग हरियाणवी विधा में अपनी प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी।

जींद. पाप सॉन्ग हरियाणवी विधा में अपनी प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी।

हरियाणवी संगीत गायन प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

हरियाणवी संगीत गायन प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 06.11.2024

राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला

जींद | सीआरएसयू व उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के विषय पर ऑनलाइन माध्यम द्वारा दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र की निर्देशक प्रो. गीता सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्व को समझाया और कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने में नई शिक्षा नीति अहम भूमिका अदा करेगी । समन्वयक प्रो. एसके सिन्हा ने बताया कि यह कार्यशाला 5 से लेकर 14 नवंबर तक चलेगी। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 110 शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया । इसमें प्रथम सत्र में भारतीय जन परम्परा की बात की गई। मुख्य वक्ता दून विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के डीन प्रो. एचसी पुरोहित ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में प्राचीन समय में व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा अर्जित करता था वहां शिक्षा डिग्री के लिए नहीं होती थी उन्होंने भारतीय वेद, पुराण, उपन्यास के बारे में बताया और श्री मद्भागवत गीता से श्री कृष्ण भगवान के द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान के बारे में बताया

एसडीएम ने राजेंद्र सैनी को किया सम्मानित IV

जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा का होना जरूरी III

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय हरियाणा उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते प्रतिभागी। ● सी. विवि

लोकगीत पर नृत्य करते प्रतिभागी। ● सी. विवि

दो दिवसीय हरियाणा उत्सव में लोकगीत पर नृत्य करते प्रतिभागी। ● जागरण

हरियाणा की संस्कृति व पारंपरिक धरोहर को सींच रहा हरियाणा उत्सव : कुलपति

विवि व कालेजों ने दी लोकगीत सांग सहित सांस्कृतिक प्रस्तुति, खूब बटोरी तालियां

जागरण संवाददाता ● जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को दो दिवसीय हरियाणा उत्सव की शुरुआत हुई। मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के वीसी डा. रणपाल सिंह रहे। वीसी ने हरियाणवी संस्कृति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ऐसी संस्कृति है, जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल- मिल जाता है। हरियाणा उत्सव का आयोजन हरियाणा राज्य के सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को सम्मानित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। यह उत्सव आमतौर पर हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य की कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है। इसके माध्यम से राज्य की विविधता, समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दुनिया भर में प्रचारित किया जाता है। इसका उद्देश्य हरियाणा की संस्कृति और लोक कलाओं को बढ़ावा देना है। हरियाणा की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत का वह राज्य है, जिसमें संघर्ष और समृद्धि की मिसाल देखने को मिलती है। इतिहास को जब हम टटोलते हैं, तो हरियाणवी संस्कृति का गौरवपूर्ण इतिहास हमें किसी न किसी रूप में बहुत पीछे से देखने को मिलता है। रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि हरियाणा वह प्रदेश है, जहां किसी भी सरकारी परियोजना को त्वरित गति से लागू किया जाता है। संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती, इसलिए हमें हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए। यह प्रत्येक हरियाणावासी का दायित्व है कि हमें आपस में मिलकर सामूहिक रूप से संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए, ताकि आने वाले समय में हरियाणा और हरियाणवी संस्कृति आसमानी ऊंचाइयों को छुए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हो या अन्य किसी भी क्षेत्र से संबंधित कोई योजना हो, उसके क्रियान्वयन हरियाणा प्रदेश हमेशा अग्रणी रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित वीसी डा. रणपाल सिंह, स्टाफ व छात्रा। जागरण

चौधरी रणवीर सिंह विश्वविद्यालय में मंच पर प्रस्तुति देते प्रतिभागी। ● सी. विवि

इन टीमों ने लिया हिस्सा

राजकीय कालेज जींद, राजकीय कालेज अलेवा, आरजीएम कालेज उचाना, सीआर किसान कालेज जींद, एसडीएमएम कालेज नरवाना, सीआर कालेज हिसार, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार, राजकीय महिला कालेज जींद, हिंदू कन्या कालेज जींद, आरकेएसडी कालेज कैथल, राजकीय कालेज सफीदो, हिंदू कन्या कालेज जींद, आइजीएम उचाना व चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अलग-अलग विभागों से विभिन्न टीमों के प्रतिभागियों ने अलग अलग मंचों पर अपनी प्रतिभा के रंग बिखेरे।

आज होने वाले कार्यक्रम

- स्टेज- 1 पर : हरियाणवी लोक आर्केस्ट्रा, हरियाणवी सोलो डांस (मेल), हरियाणवी स्किट, ग्रुप डांस हरियाणवी, पुरस्कार वितरण
- स्टेज- 2 पर : हरियाणवी सोलो डांस (फीमेल), लोकगीत, टिट-बिट प्रतियोगिता, मोनो एक्टिंग, फोक कास्ट्यूम (मेल)
- स्टेज- 3 पर : सांग

जींद हरियाणा की संस्कृति का केंद्र : डा. विजय कुमार

अधिष्ठाता, मानविकी संकाय प्रो. एसके सिन्हा ने कहा कि हरियाणा के लोग जितने जिंदादिल है, उतनी ही यहां की मिट्टी की महक प्रदेशियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। यहां का खान-पान प्रत्येक क्षेत्र के व्यक्ति के मन को भाता है। युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय के निदेशक डा. विजय कुमार ने कहा कि जींद हरियाणा की संस्कृति का केंद्र है। जिसमें देखा गया है कि चक्की और चूल्हे के हुनर से लेकर प्रत्येक क्षेत्र में हरियाणा के व्यक्ति ने दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। हरियाणा एक राज्य के रूप में ही नहीं, अपितु विचार और प्रतीक के रूप में उभर रहा है। स्टेज- 1 की संचालक की भूमिका डा. कविता और डा. कृष्ण देशवाल ने निभाई। स्टेज- 2 पर हरियाणवी कविता व हरियाणवी समूहगान की प्रस्तुतियां देखने को मिली। जिसमें लगभग 20 से अधिक महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मंच संचालक की भूमिका डा. वीरेंद्र ने निभाई। स्टेज- 3 पर सांग प्रतियोगिता हुई। जिसमें अलग-अलग विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने हरियाणवी संस्कृति से संबंधित शिक्षाप्रद सांग की प्रस्तुतियां दी। स्टेज- 4 पर आन द स्पाट पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। जिसमें महाविद्यालय व विश्वविद्यालय की टीमों ने अनेक प्रकार के रंगों से अपनी कलाओं के हुनर दिखाए। इसके अतिरिक्त दूसरी विधा में हरियाणवी जनजीवन पर आधारित पेंटिंग में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डा. ममता ढांडा, डा. राकेश कुमार, डा. रामदिया उपस्थित रहे।

एकल और समूह नृत्य में दी मनमोहक प्रस्तुति

- मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिता में 450 विद्यार्थियों ने लिया भाग
- विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया जाएगा चयनित

12 वीं तक के विद्यार्थियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया

जागरण संवाददाता ● जींद : बाल भवन में बाल महोत्सव 2024 के तहत मंगलवार को मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन विद्यार्थियों ने एकल और समूह नृत्य में मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सिरसा, फतेहाबाद, हिसार और जींद के लगभग 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने दामण नीचै पहरी जूती, छोरी की स धाक कसूती.... कैन देसी बाणे की... छोरी मैं हरियाणे की आदि हरियाणवी गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद सचिव डा. सुषमा गुप्ता ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उनके साथ मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी हिसार कमलेश चाहर, बाल कल्याण अधिकारी (मुख्यालय) सरोज मलिक, और जिला बाल कल्याण अधिकारी हिसार विनोद कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिला बाल कल्याण अधिकारी मलकीयत चहल ने बताया कि कक्षा प्रथम से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने एकल और समूह नृत्य में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। एकल नृत्य में प्रथम समूह के लिए तीन से पांच मिनट और द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ समूह के लिए चार से छह मिनट की समयावधि निर्धारित की गई। समूह नृत्य के लिए छह से आठ मिनट का समय दिया गया। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए चयनित किया जाएगा, जिससे वे अपनी प्रतिभा को और भी उच्च स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। इस दौरान प्रतिभागियों के द्वारा दी गई प्रस्तुति से दर्शक दीर्घा में काफी उत्साह देखने को मिला। लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का काफी उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर निर्णायक मंडल में जयवीर ढांडा, आराधना, सुमित, आरती सैनी, दीप्ति, डा. भावना, डा. ज्योति श्योराण और राहुल उपस्थित रहे।

मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं में हरियाणवी गाने पर प्रस्तुति देते छात्र।

मंडल स्तरीय बाल प्रतियोगिताओं में प्रस्तुति देते छात्राएं। ● जागरण

अमर उजाला

Date: 06.11.2024

भारत को विश्वगुरु बनाने में नई शिक्षा नीति होगी अहम

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण विषय पर दस दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रबंधन विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रचना श्रीवास्तव ने की।

यह कार्यशाला उच्च शिक्षा में व्यवसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुई। इस दौरान प्रो. गीता सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने में यह अहम भूमिका अदा करेगी।

समन्वयक प्रो. एसके सिन्हा ने बताया कि यह कार्यशाला 14 नवंबर तक चलेगी। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 110 शिक्षक और शोधकर्ता हिस्सा लेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में निरंतर चलने वाले सत्र के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दस मॉड्यूल का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

इसमें प्रथम सत्र में भारतीय जन परंपरा की बात की गई और बुधवार के सत्र में एकेडमिक नेतृत्व, नीतियों और निर्णयों का निर्माण, कार्यान्वयन एवं प्रबंध जैसे विषयों पर कार्यशाला आयोजित होगी।

मुख्य वक्ता दून विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के डीन प्रो. एचसी पुरोहित ने प्राचीन शिक्षा पद्धति से लेकर नई शिक्षा नीति पर कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा अर्जित करता था। संवाद

हरिभूमि

Date: 06.11.2024

पहले दिन सीआरएसयू में दिखी हरियाणवीं संस्कृति की झलक

उत्सव आम तौर पर हरियाणा सरकार द्वारा किया जाता है आयोजित

सीआरएसयू में दो दिवसीय हरियाणा उत्सव की हुई रंगारंग शुरूआत

हरियाणा की संस्कृति और पारंपरिक धरोहर को सींच रहा हरियाणा उत्सव : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मंगलवार को दो दिवसीय हरियाणा उत्सव की शुरूआत हुई। उत्सव के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति के विविध वाद्य यंत्रों से मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह ने सबसे पहले हरियाणा उत्सव से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी जनों को शुभकामनाएं दी और कहा कि यह ऐसी संस्कृति है जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल मिल जाता है। हरियाणा उत्सव का शुभारंभ हरियाणा राज्य के सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को सम्मानित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। यह उत्सव आम तौर पर हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है। जिसमें राज्य की कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है। हरियाणा उत्सव का उद्देश्य हरियाणा की संस्कृति और लोक कलाओं को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि हरियाणा वह प्रदेश है जहां किसी भी सरकारी परियोजना को त्वरित गति से लागू किया जाता है। संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती है। इसलिए हमें हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए और यह प्रत्येक हरियाणावासी का दायित्व है कि हमें आपस में मिल कर सामूहिक रूप से संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए ताकि आने वाले समय में हरियाणा और हरियाणवी संस्कृति आसमानी ऊंचाइयों को छुए। अधिष्ठाता, मानविकी संकाय प्रो. एसके सिन्हा ने कहा कि हरियाणा के लोग की जितनी जिंदादिल है, उतनी ही यहां की मिट्टी की महक प्रदेशियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय के निदेशक डा. विजय कुमार ने कहा कि जींद हरियाणा की संस्कृति का केंद्र है। जिसमें देखा गया है कि चक्की और चूल्हे के हुनर से लेकर प्रत्येक क्षेत्र में हरियाणा के व्यक्ति ने दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। हरियाणा एक राज्य के रूप में ही नहीं अपितु विचार और प्रतीक के रूप में उभर रहा है।

जींद। प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बच्चे। फोटो : हरिभूमि

सहायक युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय की सहायक निदेशक डा. ममता ढांडा ने बताया कि आने वाले समय में यह उत्सव हरियाणा प्रदेश के ही नहीं बल्कि विश्व के किसी भी कोने में बसने वाले हरियाणा के व्यक्ति को अपने साथ जोडने वाला है। कार्यक्रम के आरंभ में म्यूजिक एंड डांस विभाग व म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट के स्टूडेंट्स व फैकल्टी मेंबर्स डा. राकेश कुमार और डा. रामदीया द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति से की गई।

हरिभूमि

Date: 06.11.2024

सीआरएसयू में 10 दिवसीय कार्यशाला

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि और उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के विषय पर ऑनलाइन माध्यम द्वारा 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

Date: 06.11.2024

हरियाणा की संस्कृति और पारंपरिक धरोहर को सींच रहा हरियाणा उत्सव : कुलपति

नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 5 नवम्बर : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय द्वारा 5 व 6 नवंबर को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा उत्सव के आयोजन में मंगलवार को विश्वविद्यालय में हरियाणवी संस्कृति के विविध वाद्ययन्त्रों से मुख्यातिथि का स्वागत कर किया गया।

मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने सबसे पहले हरियाणा उत्सव से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी जनों को शुभकामनाएं दी। हरियाणवी संस्कृति की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसी संस्कृति है जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल मिल जाता है। हरियाणा उत्सव का शुभारंभ हरियाणा राज्य के सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को सम्मानित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। यह उत्सव आम तौर पर हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य की कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है। इसके माध्यम से राज्य की विविधता, समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दुनिया भर में प्रचारित किया जाता है।

अधिष्ठाता, मानविकी संकाय प्रो. एस के सिन्हा ने कहा कि हरियाणा के लोग की जितनी जिंदादिल है उतनी ही यहां की मिट्टी की महक प्रदेशियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। यहां का खान-पान प्रत्येक क्षेत्र के व्यक्ति के मन को भाता है। यहां की बोली-बानी में जैसा हास्य रस है वैसा कहीं और बहुत ही कम देखने को मिलता है।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।

स्टेज 1 का संचालक की भूमिका डॉ. कविता और डॉ. कृष्ण देशवाल ने निभाई

स्टेज 2 पर हरियाणवी कविता व हरियाणवी समूहगान की बेहतरीन प्रस्तुतियां देखने को मिली जिसमें लगभग 20 से अधिक विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मंच संचालक की भूमिका डॉ. वीरेंद्र ने निभाई। स्टेज 3 पर हरियाणवी संस्कृति की रीड कही जाने वाली प्रतियोगिता सॉन्ग का आयोजन रहा जिसमें अलग-अलग विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने हरियाणवी संस्कृति से संबंधित शिक्षाप्रद सांगों की प्रस्तुतियां दी। स्टेज 4 पर ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बहुत सारे महाविद्यालय की टीमों ने के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालय की टीमों ने अनेक प्रकार के रंगों से अपनी कलाओं के हुनर दिखाए। इसके अतिरिक्त दूसरी विधा में हरियाणवी जनजीवन पर आधारित पेंटिंग में भी अपनी प्रतिभा का अनूठा प्रदर्शन किया।

6 नवम्बर को ह्यस्टेज 1ह्न पर ये-ये होंगी गतिविधियां

- हरियाणवी लोक आर्केस्ट्रा
- हरियाणवी सोलो डांस (मेल)
- हरियाणवी स्किट
- ग्रुप डांस हरियाणवी
- प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन

ह्यस्टेज 2ह्न पर-

- हरियाणवी सोलो डांस (फीमेल)
- लोकगीत
- टिट-बिट कंपीटिशन
- मोनो एक्टिंग
- फोक कॉस्ट्यूम (मेल)

ह्यस्टेज 3ह्न पर-

इन-इन कॉलेजे के विद्यार्थियों ने की प्रतिभागिता

इस अवसर पर गवर्नमेंट कॉलेज, जींद गवर्नमेंट कॉलेज, अलेवा, आरजीएम कॉलेज, उचाना, सीआर कॉलेज, जींद, एसडीएमएम कॉलेज, नरवाना, सीआर कॉलेज, हिसार, गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी, हिसार, सीआर कॉलेज, हिसार, गवर्नमेंट वुमेन कॉलेज, जींद, हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद, आरकेएसडी कॉलेज, कैथल, गवर्नमेंट कॉलेज, सफीदों, हिंदू कॉलेज, जींद, आईजीएम, उचाना, सीआर कॉलेज, हिसार, सीआर किसान कॉलेज, जींद व चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के अलग-अलग विभागों से अनेक टीमों के प्रतिभागियों ने अलग-अलग मंचों पर अपनी प्रतिभा के रंग बिखेरे।

पंजाब केसरी

Date: 06.11.2024

पहले दिन सी.आर.एस.यू. में दिखी हरियाणवी संस्कृति की झलक

हरियाणा की संस्कृति और पारंपरिक धरोहर को सींच रहा हरियाणा उत्सव : कुलपति

प्रस्तुति देते हुए कलाकार।

जींद, 5 नवम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में मंगलवार को हरियाणा उत्सव के आयोजन में विश्वविद्यालय में हरियाणवी संस्कृति की झलक नजर आई। मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि द्वारा सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने सबसे पहले 'हरियाणा उत्सव' से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी जनों को शुभकामनाएं दीं। हरियाणवी संस्कृति की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसी संस्कृति है जिसमें किसी भी प्रदेश का कोई भी व्यक्ति बहुत ही आसानी से घुल-मिल जाता है।

हरियाणा उत्सव का शुभारंभ हरियाणा राज्य के सांस्कृतिक और पारंपरिक धरोहर को सम्मानित करने और उसे बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। यह उत्सव आमतौर पर हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है, जिसमें राज्य की कला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाता है। इसके माध्यम से राज्य की विविधता, समृद्ध संस्कृति और इतिहास को दुनिया भर में प्रचारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सब के लिए बड़े ही गर्व और गौरव का दिन है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा उत्सव एक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य हरियाणा की संस्कृति और लोक कलाओं को बढ़ावा देना है। हरियाणा की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत का वह राज्य है जिसमें संघर्ष और समृद्धि की मिसाल देखने को मिलती है। इतिहास को जब हम टटोलते है तो हरियाणवी संस्कृति का गौरवपूर्ण इतिहास हमें किसी न किसी रूप में बहुत पीछे से देखने को मिलता है।

विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि विश्वविद्यालय की रौनक छात्र-छात्राओं को हरियाणा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा वह प्रदेश है जहां किसी भी सरकारी परियोजना को त्वरित गति से लागू किया जाता है।

उन्होंने कहा की संस्कृति की कोई सीमा नहीं होती, इसलिए हमें हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए और यह प्रत्येक हरियाणावासी का दायित्व है कि हमें आपस में मिलकर सामूहिक रूप से संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए ताकि आने वाले समय मेंहरियाणा औरहरियाणवी संस्कृति आसमानी ऊंचाइयों को छुए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 हो या अन्य किसी भी क्षेत्र से संबंधित कोई योजना हो उसके क्रियान्वयनहरियाणा प्रदेश हमेशा अग्रणी रहा है। हरियाणा प्रदेश ने अपनी विशेष पहचान कलाओं, ललित कलाओं, धरोहर, खेलों, शिक्षा व कृषि में विश्व भर में विशेष पहचान बनाई है।

अधिष्ठाता, मानविकी संकाय प्रो. एस.के. सिन्हा ने कहा कि हरियाणा के लोगों की जितनी जिंदादिली है उतनी ही यहां की मिट्टी की महक प्रदेशियों को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। यहां का खान-पान प्रत्येक क्षेत्र के व्यक्ति के मन को भाता है। यहां की बोली-बानी में जैसा हास्य रस है वैसा कहीं ओर बहुत ही कम देखने को मिलता है।

इसके पश्चात युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय के निदेशक डॉ. विजय कुमार ने सभी मेहमानों एवं शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारियों व विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं को हरियाणा दिवस की बधाई दी और कहा कि जींद हरियाणा की संस्कृति का केन्द्र है। इसमें देखा गया है कि चक्की और चूल्हे के हुनर से लेकर प्रत्येक क्षेत्र में हरियाणा के व्यक्ति ने दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई हैं। हरियाणा एक राज्य के रूप में ही नहीं अपितु विचार और प्रतीक के रूप में उभर रहा है। चाहे खेल हो या खेत, रक्षा-सुरक्षा और शिक्षा या अन्य कोई भी क्षेत्र प्रत्येक क्षेत्र में हरियाणा का नाम अन्य सभी राज्यों की तुलना में अग्रणी रहा है।

सहायक युवा एवं सांस्कृतिक निदेशालय की सहायक निदेशक डॉ. ममता ढांडा ने बताया कि विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम की शुरूआत दो वर्ष पहले हुई थी और जिसमें विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थी जोश के साथ प्रतियोगिता करते हैं वह जुनून के साथ अपनी प्रतिभा दिखाते हैं जिसकी बदौलत यह कार्यक्रम आज एक बड़े उत्सव का रूप ले चुका है। आने वाले समय में यह उत्सव हरियाणा प्रदेश के ही नहीं बल्कि विश्व के किसी भी कोने में बसने वाले हरियाणा के व्यक्ति को अपने साथ जोड़ने वाला है।

कार्यक्रम के आरंभ में म्युजिक एंड डांस विभाग व म्युजिक इंस्ट्रूमेंट के स्टूडेंट्स व फैकल्टी मैंबर्स डॉक्टर राकेश कुमार और डॉक्टर रामदिया द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति से की गई। यह उत्सव हरियाणा के विभिन्न शहरों और गांवों में मनाया जाता है, जहां स्थानीय लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा में रंग-बिरंगे कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। उत्सव दौरान हरियाणा के प्रमुख पर्यटन स्थलों, किसानों, शिल्पकारों, और कलाकारों की प्रस्तुतियों का भी आयोजन होता है।

स्टेज-1 के संचालक की भूमिका डॉ. कविता और डॉ. कृष्ण देशवाल ने निभाई। स्टेज-2 पर हरियाणवी कविता व हरियाणवी समूहगान की बेहतरीन प्रस्तुतियां देखने को मिलीं जिसमें लगभग 20 से अधिक विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मंच संचालक की भूमिका डॉक्टर वीरेंद्र ने निभाई। स्टेज-3 पर हरियाणवी संस्कृति की रीढ़ कहीं जाने वाली प्रतियोगिता सांग का आयोजन रहा, जिसमें अलग-अलग विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों की टीमों ने हरियाणवी संस्कृति से संबंधित शिक्षाप्रद सांगों की प्रस्तुतियां दी। स्टेज-4 पर ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बहुत सारे महाविद्यालय की टीमों के माध्यम से विश्वविद्यालयों और महाविद्यालय की टीमों ने अनेक प्रकार के रंगों से अपनी कलाओं के हुनर दिखाए। इसके अतिरिक्त दूसरी विधा में हरियाणवी जनजीवन पर आधारित पेंटिंग में भी अपनी प्रतिभा का अनूठा प्रदर्शन किया।

पंजाब केसरी

Date: 06.11.2024

सी.आर.एस.यू. में 10 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जींद, 5 नवम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र, मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति अभिविन्यास और संवेदीकरण के विषय पर ऑनलाइन माध्यम द्वारा 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत संगठन मंत्र से की गई। सी.आर.एस.यू. के प्रबंधन विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रचना श्रीवास्तव ने सभी का कार्यशाला में स्वागत किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र की निर्देशक प्रो. गीता सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डालते हुए स्व: की भावना और शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्त्व को समझाया। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने में नई शिक्षा नीति अहम भूमिका अदा करेगी। उन्होंने शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषाओं के बढ़ते वर्चस्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस.के. सिन्हा ने बताया कि यह कार्यशाला 5 से लेकर 14 नवम्बर तक चलेगी जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 110 शिक्षकों और शोधकर्त्ताओं ने हिस्सा लिया है और उन्होंने कार्यक्रम में निरंतर चलने वाले सत्र के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 10 मॉड्यूल का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें प्रथम सत्र में भारतीय जन परम्परा की बात की गई और कल के सत्र में एकैडमिक नेतृत्व, नीतियों और निर्णयों का निर्माण, कार्यान्वयन एवं प्रबंध जैसे विषयों पर 14 नवम्बर तक कार्यशाला आयोजित होगी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर दून विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के डीन प्रो. एच.सी. पुरोहित ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के बारे में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचीन शिक्षा पद्धति से लेकर नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में प्राचीन समय में व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करने के लिए शिक्षा अर्जित करता था वहां शिक्षा डिग्री के लिए नहीं होती थी।

उन्होंने भारतीय वेद, पुराण, उपन्यास के बारे में बताया और श्री मद्भागवत गीता से श्री कृष्ण भगवान द्वारा अर्जुन को दिए गए ज्ञान के बारे में बताया कि आज भी भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रीमद्भागवत गीता का योगदान उच्च स्तर का है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. एस.के. सिन्हा ने कार्यशाला में जुड़ने के लिए सभी शिक्षकों और शोधकर्त्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने प्रो. गीता सिंह का आभार व्यक्त किया और कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर प्रो. पुरोहित ने एक अद्वितीय और अत्यंत ज्ञानवर्द्धक वक्तव्य प्रस्तुत किया और उनका गहन अध्ययन और विशद अनुभव का प्रभाव उनके शब्दों में स्पष्ट रूप से झलक रहा था।